वृन्दावन में हाज़री | By Sumitra Rana

मेन्नु भेज बुलावा वृन्दावन विच आवन नू
तेरे चरणा दे विच वै के हाजरी लावण नू

जित्थे तेरा हो जयकारा
झुकता है ये जग सारा
क्या बूढ़े क्या हैं बच्चे
कान्हा तेरे भक्त हैं सच्चे
कोई जाके कह दे गोवर्धन गिरधारी नू
गिरधारी नू.....
मैं माखन मिश्री लाइ तेंनु खवावन नू
तेरे चरणा दे विच वै के हाजरी लावण नू

हे कृष्णा हे गोपाला
हे नन्द बाबा के लाला
बंसी की तान सुना दे
ओ गइयन के रखवाला
हथ जोड़ के विनती करती कृष्ण मुरारी नू
कृष्ण मुरारी नू .....
मैं आवां दौड़ी दौड़ी तेंनु मनावण नू
तेरे चरणा दे विच वै के हाजरी लावण नू

जो द्वार पे तेरे आये
मुंह मांगी मुरादें पाए
भरते हो सब की झोली
कोई खाली घर ना जाए
बड़े दीन दयालु मोहन बांकी बिहारी तू
गिरधारी तू .....
सुमित्रा नू रख ले तेरे भजन सुनावन नू
तेरे चरणा दे विच वै के हाजरी लावण नू

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b5%e0%a5%83%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a8-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%b0%e0%a5%80-by-sumitra-rana/